1. ध्‍न्‍य-ध्‍न्‍य तुझको प्रभु

हम कहते बारम्‍बार

अंध्‍यिारे जीवन में हमारे

प्रेम का दीप जलाया

2. पाप कपट सब दूर हुए

हृदय में तेज लगाया

तेरी होवे जय-जयकार। (4)

3. पर्वत तेरी शान बताते सागर प्रेम तिहारे

चांद सितारों में जा देखा पाया रूप तिहारे

सब जीवन के आधर। (2)

तेरी महिमा अपरम्‍पार

4. कृपा दीनदयाल करो अब द्वार तिहारे आये

आत्‍मादान बलिदान करो

हम कब से आस लगाये। (2)

तेरी महिमा अपरम्‍पार